International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.340, Volume 03, No. 03(III), July - September, 2021, pp.221-224

व्यवसायिक व पारंपरिक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों की आक्रामकता अध्ययन आदत एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

विपिन कुमार वशिष्ठ*
डॉ. निर्मला राठौर**

प्रस्तावना

शिक्षा का अर्थ

शिक्षा का अंग्रेजी पर्यायवाची शब्द एजुकेशन है शिक्षा शब्द भी संस्कृत की शिक्षा धातु से निकला है जिसका अर्थ है सीखना और सिखाना इससे यह प्रतीत होता है कि शिक्षा का अर्थ सीखने सिखाने की प्रक्रिया होती है शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जो मनुष्य की जन्मजात शक्तियों को स्वाभाविक और सामंजस्य पूर्ण विकास में योगदान देती है शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व का पूर्ण विकास करती है शिक्षा वातावरण में सामंजस्य स्थापित करती है उसे जीवन और नागरिकता के कर्तव्य और दायित्व के लिए तैयार करती है उसके व्यवहार विचारों दृष्टिकोण में परिवर्तन करती है जो समाज राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विश्व के लिए लाभकारी होती है

ऐडम्स महोदय के अनुसार –शिक्षा को द्विध्रुवी प्रक्रिया माना है एक ध्रुव शिक्षक अर्थात सिखाने वाला तथा दूसरे ध्रुव पर सीखने वाला अर्थात शिक्षार्थी होता है

जॉन डीवी महोदय के कथन के अनुसार – "शिक्षा एक त्रिमुखी प्रक्रिया है" इनके अनुसार शिक्षा में शिक्षक छात्र पाठ्यक्रम होता है शिक्षा इन तीनों के बिना नहीं चल सकती शिक्षा एक प्रक्रिया है जो मनुष्य की जन्मजात शक्तियों के स्वाभाविक और सामंजस्य विकास में योगदान देती है

शिक्षा की परिभाषाएं

- "स्वास्थ्य शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का सर्जन ही शिक्षा है"– "**अरस्तु**"
- शिक्षा से मेरा तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जो बालक एवं मनुष्य के शरीर एवं आत्मा के सर्वोत्कृष्ट रूपों को प्रस्फुटित करती है– **"महात्मा गांधी"**
- "सर्वोच्च शिक्षा यह है जो हमें केवल सूचना नहीं देती वर्ण हमारे हमारे जीवन और संपूर्ण स्रष्टि में सामंजस्य स्थापित करती है" **"रविंद्र नाथ टैगोर"**

निष्कर्ष

उपरोक्त शिक्षा की परिभाषाओं से स्पष्ट होता है कि शिक्षा एक सुविचार प्रक्रिया है इसका उद्देश्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करना है शिक्षा की प्रक्रिया जीवन पर्यंत चलती है शिक्षा का अर्थ दो रूप में पाया जाता है एक संकुचित एवं व्यापक संकुचित में यह विद्यालय हीन शिक्षा अर्थात सुनियोजित प्रक्रिया है वहीं इसके व्यापक करते हैं विद्यालय अनुभव तक सीमित नहीं है अर्थात यह जन्म से मृत्यु तक चलती है

व्यवसायिक शिक्षा का अर्थ

व्यवसायिक शिक्षा शब्द दो शब्दों के सहयोग से निर्मित है जिसमें पहले शब्द व्यवसाय का अर्थ वाणिज्य एवं उद्योग के संपूर्ण छुट्टी क्षेत्र को आधारभूत उद्योगों निर्माण उद्योगों तथा सहायक सेवाओं के वृद्ध जाल वितरण बैंकिंग आदि से है तकनीकी शिक्षा व्यवसाय शिक्षा का अंग है किसी भी समाज की अर्थव्यवस्था उसके

* शोधार्थी, लॉर्डस विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान।
** प्रोफेसर, लॉर्डस विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान।

व्यवसायिक विकास पर निर्भर करती है व्यवसायिक शिक्षा की शिक्षा व्यक्ति को किसी कार्य या व्यवसाय से संबंधित तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करती है ताकि वह उस व्यवसाय के द्वारा अपनी जीविका का उपार्जन कर सके व्यवसाय शिक्षा संघ नीतियों में धारा 53 के अंतर्गत नियंत्रित होती है व्यावसायिक शिक्षा कामगारों छात्र छात्राओं को दी जाने वाली शिक्षा प्रशिक्षण हेतु कार्य प्रशिक्षण अभ्यास के द्वारा होती है व्यावसायिक शिक्षा का अर्थ मानव कार्य की शिक्षा से भी हो सकता है अर्थात इस में मनुष्य से मस्तिष्क के बजाय हाथों से अधिक काम करता है चमड़े का कार्य, लकड़ी का कार्य ड्राइंग आदि

व्यवसाय की परिभाषा –

राधाकृष्णन आयोग (1998)

व्यावसायिक शिक्षा वह प्रक्रिया है जिसमें स्त्री व पुरुष व्यवसाय के भावनाओं के साथ परिश्रम पूर्व और उत्तरदाई सेवाओं के लिए अपने को योग्य बनाते हैं

जॉन डीवी के अनुसाररू– व्यवसायिक शिक्षा व्यक्तियों को एक विशिष्ट कार्य के योग्य बनाती है जिससे अपनी विशिष्ट सेवा के द्वारा समाज में विशेष क्षमता का प्रदर्शन करता है

व्यवसायिक शिक्षा के उद्देश्य

- शिक्षा के सुअवसरों में विभिन्नता लाना
- छात्रों में आत्मविश्वास लाना
- अधिक संख्या में रोजगार आधारित आधारित पाठ्यक्रम को तैयार करना
- कुशल जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर को कम करना
- प्रत्येक व्यक्ति की रोजगार क्षमता को बढ़ाना और अनुसार उनको शिक्षा और रोजगार देना
- निउद्देस्यो एवं रूचि विहीन शिक्षा प्राप्त छात्रों को विभिन्न विकल्प उपलब्ध कराना आदि

व्यवसायिक शिक्षा के सामान्य सिद्धांत

- जिस प्रकार के वातावरण में प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जाता है उसी प्रकार से व्यवसायिक शिक्षा प्रभावशाली होती है
- व्यावसायिक शिक्षा के लोगों को लोगों की सही आदत और सही सोच की पुनरावृत्ति होती हैद्य
- व्यावसायिक शिक्षा को लचीला और सरल होना चाहिए न कि कठोर और मानकीकरण युक्त
- व्यावसायिक शिक्षा तभी प्रभावशाली होती है जब आवश्यक होता है और समय अनुकूल प्रशिक्षण दें
- व्यवसायिक शिक्षा भी प्रभावित होती है जबकि शिक्षक को स्वयं उसका ज्ञान और कार्य अनुभव हो

निष्कर्ष

व्यवसायिक शिक्षा व्यक्ति को किसी कार्य या व्यवसाय से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करती है ताकि व्यक्ति उस व्यवसाय के द्वारा अपने जीविका उपार्जन कर सके व्यवसाय शिक्षा विद्यार्थियों किसी व्यवसाय पाठ्यक्रम के लिए तैयार करती है इसकी आवश्यकता सामुदायिक महाविद्यालय तकनीकी संस्थान महाविद्यालय विश्वविद्यालय स्तर पर की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए होती है

आक्रामकता का अर्थ

आपको एक ऐसे व्यवहार के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसका उद्देश्य किसी भी दूसरे व्यक्ति को दहिया मनोवैज्ञानिक क्षति पहुंचाना होता है

अथवा

अन्य व्यक्ति को शारीरिक और मनोवैज्ञानिक क्षति उत्पन्न करने की दिशा में लक्षित व्यवहार

आक्रमक ताकि परिभाषाएं

- **एंडरसन के अनुसार –** किसी अन्य व्यक्ति के प्रति किया गया ऐसा व्यवहार जिसका समीपस्थ उद्देश्य हानि पहुंचाना होता है
- **बंडरा के अनुसार** – आक्रामकता को हानिकारक व्यवहार कहा है जो सामाजिक परंपराओं का उल्लंघन करता है एवं इसमें दूसरे व्यक्ति को क्षति पहुंचाने का विचार निहित होता है
- **बस के अनुसार –** "आक्रामकता किसी व्यक्ति की एक ऐसी अनुक्रिया है जो किसी दूसरे व्यक्ति को हानि पहुंचाता है"

आक्रामकता के सेधान्तिक उपागम निम्नलिखित हैं –

- जेविक उपागम
- अंतर्नाद उपागम
- सामाजिक अधिगम उपागम
- कुंठा आक्रामकता परिकल्पना
- उत्तेजना अंतरण सिद्धांत
- सामान्य आक्रामकता प्रतिमान आदि

आक्रमकता के कारण

- कुंठा एवं उकसाना
- व्यक्तित्व एवं आक्रामकता
- जैव रासायनिक प्रभाव
- उम्र एवं आक्रामकता
- विस्थापित आक्रामकता
- लिंग एवं आक्रामकता
- प्रति जनसंचार के प्रति उद्घाटन एवं आक्रामकताद्य
- सामाजिक बहिष्कार
- वातावरण सुविधा आदि

शैक्षिक उपलब्धि का अर्थ

अकादमिक उपलब्धि या औकात में प्रदर्शन व सीमा है जिस तक छात्र शिक्षा के संस्थान ने अपने अपने छोटे दिर्गकालिक शैक्षिक उपलब्धि को प्राप्त किया हैद्य माध्यमिक विद्यालयों के डिप्लोमा और स्नातक की डिग्री जैसे शैक्षिक बेंच मार्क को पूरा करने की उपलब्धि का प्रतिनिधित्व करता है इसका मापन आमतौर पर परीक्षा हो या निरंतर मूल्यांकन के माध्यम से किया जाता है कैलिफोर्निया में स्कूलों की उपलब्धि को अकादमी प्रदर्शन सूचकांक द्वारा मापा जाता है

शैक्षिक उपलब्धि की परिभाषाएं

शिक्षा का शब्दकोश 1973: "किसी दिए गए कौशल्या ज्ञान के प्रदर्शन की उपलब्धि या प्रवीणता के रूप में अकादमी उपलब्धि को परिभाषित करता है"

कार्यात्मक परिभाषाः– "प्रस्तुत शोध अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धि से तात्पर्य विद्यार्थी द्वारा अध्ययन कक्षा में प्राप्त अंक के कुल योग से है"

शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारक

- बुद्धि और व्यक्तित्व में अंतर को जोड़ा गया
- विद्यालय का वातावरण
- सामाजिक आर्थिक स्तर
- पारिवारिक वातावरण
- शैक्षिक सुविधाएं
- शैक्षिक आकांक्षा स्तर
- अभिप्रेरणा
- शैक्षिक उपलब्धि
- आत्म संयम

शैक्षिक उपलब्धि का सूत्र

शैक्षिक उपलब्धि = शैक्षिक आयु/ वास्तविक आयु*100

(EQ=EQ/CA*100)

उदाहरण एक बालक की वास्तविक आयु 10 वर्ष उसके गणित में शैक्षिक उपलब्धि आयु 13 वर्ष तो बालक की शिक्षा उपलब्धि कितनी होगी।

EQ=EQ/CA*10)

EQ=13/10*10)

EQ=130

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. कुमार राजीव कुमार नरेंद्र (2003): तकनीकी व्यावसायिक शिक्षाः वर्तमान युग की मूलभूत आवश्यकता भारतीय आधुनिक शिक्षा एनसीईआरटी अप्रैल।
2. कुशवाहा आर. एस. 1993: कार्य अनुभव और व्यवसायिक शिक्षा संकल्पना एवं स्वरूप शैक्षिक पलाश मध्यप्रदेश राज्य शिक्षक प्रशिक्षण मंडल भोपाल जनवरी।
3. ग्रेवाल जे.एस.: वोकेशनल एनवायरमेंट एंड एजुकेशन चॉइस नेशनल साइकोलॉजिकल कॉरपोरेशन आगरा
4. मिश्र अरुण कुमार (1986) शिक्षा का व्यवसायीकरण भारतीय आधुनिक शिक्षा श.शे.अ.प्र.प. अंक प्रथम जुलाई
5. मिश्रा अरुण कुमार (1986)वेबसाइट शिक्षा की चुनौती शैक्षिक पलाश राज्य शिक्षक प्रशिक्षण मंडल मध्यप्रदेश वर्ष 21) अंक 7–9 जनवरी–मार्च
6. वर्मा रामपाल सिंह (1989) शैक्षिक निर्देशन लक्ष्मीनारायण अग्रवाल शिक्षा संबंधी प्रकाशन आगरा
7. राव बी.के. (2003) वोकेशनल एजुकेशन ए पी एस पब्लिक सिंह कॉरपोरेशन न्यू देल्ही

❖◆❖